Mentorship Program
Nehru Vihar

दृष्टि The Vision

drishti

GENERAL STUDIES (Test–8)

निर्धारित समय: तीन घंटे Time allowed: Three Hours	DTVF/24 (D-A)–M–**GSM (M-I)-2408**	अधिकतम अंक: 250 Maximum Marks: 250

Name: Vivek yadav **Mobile Number:** --

Medium (English/Hindi): Hindi **Reg. Number:**

Center & Date: nehru vihar (24/7/24) **UPSC Roll No. *(If allotted)*:** 7810112

प्रश्न-पत्र के लिये विशिष्ट अनुदेश

कृपया प्रश्नों का उत्तर देने से पूर्व निम्नलिखित प्रत्येक अनुदेश को ध्यानपूर्वक पढ़ें:

*इसमें **बीस** प्रश्न हैं तथा **हिन्दी** और **अंग्रेज़ी** दोनों में छपे हैं।*
सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।
प्रत्येक प्रश्न के अंक उसके सामने दिये गए हैं।
प्रश्नों के उत्तर उसी माध्यम में लिखे जाने चाहियें जिसका उल्लेख आपके प्रवेश-पत्र में किया गया है, और इस माध्यम का स्पष्ट उल्लेख प्रश्न-सह-उत्तर (क्यू.सी.ए.) पुस्तिका के मुख-पृष्ठ पर अंकित निर्दिष्ट स्थान पर किया जाना चाहिये। उल्लिखित माध्यम के अतिरिक्त अन्य किसी माध्यम में लिखे गए उत्तर पर कोई अंक नहीं मिलेंगे।
प्रश्नों में शब्द सीमा, जहाँ विनिर्दिष्ट है, का अनुसरण किया जाना चाहिये।
प्रश्न-सह-उत्तर-पुस्तिका में खाली छोड़ा हुआ पृष्ठ या उसके अंश को स्पष्ट रूप से काटा जाना चाहिये।

QUESTION PAPER SPECIFIC INSTRUCTIONS

Please read each of the following instruction carefully before attempting questions:

*There are **TWENTY** questions printed both in **HINDI** and **ENGLISH.***
All the questions are compulsory.
The number of marks carried by a question is indicated against it.
Answers must be written in the medium authorized in the Admission Certificate which must be stated clearly on the cover of this Question-cum-Answer (QCA) Booklet in the space provided. No marks will be given for answers written in a medium other than the authorized one.
Word limit in questions, wherever specified, should be adhered to.
Any page or portion of the page left blank in the Question-cum-Answer Booklet must be clearly struck off.

केवल मूल्यांकनकर्त्ता द्वारा भरा जाए *(To be filled by Evaluator only)*

Question Number	Marks	Question Number	Marks
1.		11.	
2.		12.	
3.		13.	
4.		14.	
5.		15.	
6.		16.	
7.		17.	
8.		18.	
9.		19.	
10.		20.	
Grand Total (सकल योग)			

मूल्यांकनकर्त्ता (हस्ताक्षर)
Evaluator (Signature)

पुनरीक्षणकर्त्ता (हस्ताक्षर)
Reviewer (Signature)

Feedback

1. Context Proficiency (संदर्भ दक्षता)
2. Introduction Proficiency (परिचय दक्षता)
3. Content Proficiency (विषय-वस्तु दक्षता)
4. Language/Flow (भाषा/प्रवाह)
5. Conclusion Proficiency (निष्कर्ष दक्षता)
6. Presentation Proficiency (प्रस्तुति दक्षता)

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti | दृष्टि The Vision

1. प्रथम विश्व युद्ध की समवर्ती घटनाएँ इज़रायल-फिलिस्तीन संघर्ष का मूल कारण कैसे है व्याख्या कीजिये। (150 शब्द) 10

Explain how the Israel-Palestine conflict traces its origins back to events surrounding the First World War. (150 words) 10

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

इजराइल-फिलिस्तीन संघर्ष मे, प्रथम विश्व युद्ध की भूमिका को महत्वपूर्ण कारण माना जाता है, क्योंकि इस समय यहूदियो और मुस्लिमो के बीच के संघर्ष मे विश्वशक्तियो का आगमन हो चुका था।

प्रथम विश्व युद्ध की घटनाएँ

1. ब्रिटेन द्वारा यहूदियो को विश्वास दिलाया गया कि वे उन्हे उनके मूल राज्य मे स्थापित करेंगे और समझौते के तहत वह (यहूदी) अपने यरुशलेम मे जा सकेंगे।

2. प्रथम विश्वयुद्ध के विघटनात्मक प्रविन्य मे तुर्की की सेव्रे की संधि हुई, जिससे मुस्लिम पक्ष के खलीफा की सत्ता समाप्त हुई, और आगे फिलीस्तीन का पक्ष और भी कमजोर हुआ।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिख
चाहिये।
(Candidate must no
write on this margi

(3) अमेरिका सहित कई पश्चिमी देशो मे यहूदी लोग व्यापारिक रूप से ताकतवर थे, और राजनीतिक रूप से प्रभावी थे, ऐसे मे सरकारो पर एक दबाव समूह के रूप मे कार्य करते हुए इन्होने इजराइल की मांग की।

(4) ऐसे मे यहाँ (फिलीस्तीनी क्षेत्र मे), इजराइली लोगो का आगमन शुरू हुआ, और उसके बाद लगातार अमेरिका का सहयोग मिला, जिससे ये बडे क्षेत्र पर कब्जा कर गये

(5) धुरी राष्ट्र यथा जर्मनी जैसे क्षेत्रो मे अल्पसंख्यको के उत्पीडन ने भी इसमे सहयोग किया और यहूदियो का पलायन देखने मिला

उपरोक्त संदर्भ मे हम प्रथम विश्व युद्ध के परिप्रेक्ष्य मे इजराइल फिलस्तीन संघर्ष को समझ सकते हैं

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

2. भक्ति आंदोलन ने तत्कालीन भारतीय समाज में व्याप्त जातिगत और लैंगिक मानदंडों को किस सीमा तक चुनौती दी? परीक्षण कीजिये। (150 शब्द) 10

To what extent did the Bhakti movement challenge existing caste and gender norms in Indian society? Examine. (150 words) 10

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

भक्ति आंदोलन की शुरुआत दक्षिण मे तमिल भक्ति (अलवार एवं नयनार) के रूप मे हुई, जिसे रामानुजाचार्य ने आंदोलन का रूप दिया, और रामानंद के समय उत्तर भारत मे भक्ति का आगमन हुआ।

भक्ति द्वारा जातिगत एवं लैंगिक मानदंडो को चुनौती

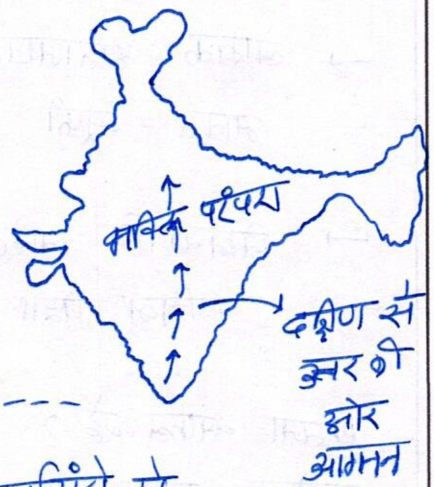

① जातिगत भेदभावो की समाप्ति

→ कबीरदास जी द्वारा कहा गया कि जात पात पूछे नही कोई---

→ भक्ति के निर्गुण स्वरूप ने कर्मकांडो को नकारा, और 'एक ही ओंकार' की बात कही।

→ सगुण भक्ति द्वारा भी जातिगत भेदभाव उन्मूलन, उदा० → राम द्वारा शबरी के झूठे बेर

→ भक्तिमार्ग मे जातिगत समानता के लिए निम्न वर्गीय संत उभरकर → धन्ना (जाट), रविदास (चमार), सेना (नाई), कबीर (जुलाहा)

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

लैंगिक भेदभाव की चुनौती

↳ स्त्री पुरुष समानता को भक्ति की पराकाष्ठा माना
कृष्ण सह राधा, राम सह सीता और
महिलाओ को दैवीय स्वरूप दिया।

↳ दक्षिण मे अलवार (अण्डाल), रहस्यवादी परंपरा
से जुडी (अक्का महादेवी), और कृष्णभक्ति
से जुडी (मीरा) जैसी महिला संतो का
आगमन

↳ लैंगिक असमानता को दूर करने के लिए
भक्ति-सूफी महिला संत सहयोग [राबिया]

↳ निम्नवर्गीय महिलाओ को आर्थिक सशक्तिकरण
विभिन्न पेशो - जुलाहे, कोष आदि से जोडकर।

कितना सफल रहे?
सीमित सफलता, क्योंकि पुरुषवादी मानसिकता दृढ थी।
सगुण भक्ति द्वारा पुरुषो को संत के रूप मे
तरजीह, ग्रामीण क्षेत्रो तक पहुंच कम।

परंतु फिर भी मध्यकालीन भारतीय इतिहास मे एकता
और समानता का दृष्टिकोण रखते हुए भक्ति संतो
द्वारा समन्वित संस्कृति मे योगदान दिया

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

3. अफ्रीका का विभाजन क्या है? अफ्रीका में उपनिवेशीकरण की प्रक्रिया कैसे शुरू हुई?(150 शब्द) 10
What is Scramble of Africa? How did the process of decolonization unfold in Africa?
(150 words) 10

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

अफ्रीका महाद्वीप के संसाधनो की परिपूरकता एवं पिछड़ेपन को सभ्यता मे बदलने की ओट से पश्चिमी देशो द्वारा अफ्रीका के उपनिवेशीकरण की शुरूआत की।

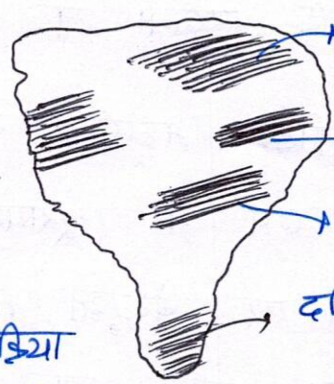

अफ्रीका के विभाजन से तात्पर्य क्या है →

उपनिवेशवाद की बढती प्रक्रिया के तहत अफ्रीका को औपनिवेशिक साम्राज्यवादी देश, अपने हितो के अनुकूल बाँटना चाहते थे। चूंकि राष्ट्रवाद का उदय यूरोप में हो चुका था, ऐसे मे अपनी अपनी कॉलोनी बनाकर, और स्वतंत्र राज्यो पर अपना अधिकार जमाने के क्रम, प्रथम विश्व युद्धकालीन समय मे पश्चिमी शक्तियो (यथा– फ्रांस, ब्रिटेन, स्पेन में बटवारा चल रहा था, और आगे जर्मनी और रूस भी अपना हिस्सा माँग रहे थे।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

उपनिवेशीकरण की शुरुआत

① अफ्रीका के बेहतर खनिज संसाधनो के निष्कर्षण हेतु पश्चिमी देशों द्वारा कवायद शुरू हुई।

② इसमे दासप्रथा (नीग्रो) को भी बढ़ावा मिला क्योकि खदानो मे कार्य करने के लिए जरूरी।

③ अफ्रीकी महाद्वीप मे बडे बडे बागान मालिको के रूप मे यूरोपीय लोगो का उदय, और इन पर बंधुआ मजदूरी करने के लिए विश्व भर (यथा- भारत) से मजदूरो का आगमन

④ जनसंख्या अधिक, ऐसे मे औद्योगिक क्रांति से बनने वाले माल हेतु, एक बडे बाजार की तलाश थी। इसलिए उपनिवेशीकरण मे वृद्धि हुई।

आगे जब भारत के नेतृत्व मे गुटनिरपेक्ष आंदोलन चलाया गया, तब अफ्रीकी देशो मे उपनिवेश विरोधी संघर्ष मे नवचेतना जागी थी।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

4. सेंगोल स्थापना के सांस्कृतिक महत्त्व पर विशेष ज़ोर देते हुए, परीक्षण कीजिये कि किस प्रकार नया संसद भवन भारतीय संस्कृति के विभिन्न पहलुओं का प्रतिनिधित्व करता है। (150 शब्द) 10

Examine how the new parliament building embodies various aspects of Indian culture, with a keen focus on the cultural significance associated with the installation of the Sengol. (150 words) 10

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

हाल मे लोकतंत्र के नए मंदिर के रूप मे संसद भवन का अनावरण हुआ, और वहाँ सेंगोल की स्थापना की गई, इसके सांस्कृतिक और ऐतिहासिक महत्व की एक लंबी गाथा रही है

सेंगोल का सांस्कृतिक महत्व

(1) चोलकालीन संस्कृति का परिचायक, जो कि शौर्य गाथा और समर्पण के प्रतीक के रूप मे स्थापित रहा था।

(2) भारत की स्वतंत्रता के समय, सत्ता हस्तांतरण के एक प्रमाण के रूप मे भारत के प्रथम प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू के द्वारा संदर्भित किया गया।

(3) भारतीय परंपरा मे ओज-तेज-अभिलाषा के प्रदर्शन मे, और सनातन धर्म की भारतीय संस्कृति के महत्व को भी संघोष उजागर करता है

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

नये संसद भवन के सांस्कृतिक पहलू

① संसद मे स्वतंत्रता सेनानियो की मूर्ति लगाई गई है, जो उनकी वीरता एवं स्वयं का प्रदर्शन करती है।

② संसद भवन का उदघाटन भूमि पूजन, विधि विधान एवं परंपराओ के अनुरूप किया गया।

③ भारत के प्रतीक चिन्ह सारनाथ (चार शेर युक्त) का अनावरण, जो कि सत्यमेव जयते का उदघोष कर रहा है।

④ भारत सदैव प्रकृतिपूजा और वृक्षो के सम्मान की परंपरा से युक्त, इसी के अनुरूप संसद भवन को हरित पर्यावरण के अनुकूल बनाया।

उपरोक्त संदर्भ मे कहा जा सकता है कि सेंगोल एवं संसद भवन के अन्य सांस्कृतिक पहलू भारतीय इतिहास के गौरव व गरिमा का बखान कर रहे है

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

5. 1929 की महामंदी के बहुमुखी प्रभाव का विस्तारपूर्वक वर्णन कीजिये। (150 शब्द) 10

Elaborate on the multifaceted impact of the Great Depression of 1929. (150 words) 10

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

1929 मे पूंजीवादी देशो मे महामंदी का प्रभाव देखा गया, इनकी अर्थव्यवस्थाएँ चौपट हो गई, और ऋणात्मक वृद्धि के साथ-2, रोजगार क्षेत्र मे कमी देखने मिली।

महामंदी के बहुमुखी प्रभाव

→ पूंजीवाद के परिणामो के रूप मे मुक्त अर्थव्यवस्था से लोगो का मोहभंग हुआ, क्योकि जहाँ पूरा विश्व महामंदी की चपेट मे था, वही सोवियत संघ के समाजवादी राज्य बेहतर आर्थिक प्रतिरूप मे आगे बढ रहे थे।

→ यूरोपीय देश सर्वाधिक प्रभावित हुए, क्योकि ये अभी अभी Ist विश्व युद्ध के भीषण आर्थिक परिणामो से उभरे थे, परंतु पुनः महामंदी के कारण, इन देशो मे आंदोलन, विद्रोह और आक्रोश की घटनाएं देखी गई।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

→ जर्मनी मे भी इसके प्रभाव देखे गए, चूंकि पहले से ही वर्साय की संधि के कारण जर्मनी प्रभावित था, परंतु महामंदी के बाद और अधिक नुकसान हुआ, और इसने अधिनायकवादी नाजीवाद को उद्भवता को गति दी।

→ अमेरिका के वालस्ट्रीट और अन्य बाजारो मे लोगो की जो पूँजी लगी थी वह डूब गई, और करोडो निवेशको को नुकसान हुआ, और पूंजीवादी देशो की पूरे विश्व मे किरकिरी हुई।

→ मंदी का प्रभाव उपनिवेशो मे भी देखने मिला, आगे यहाँ भरपाई हेतु औपनिवेशिक राज्यो द्वारा लूटपाट को बढाया, जिससे उपनिवेशो मे असंतोष बढा।

कीनशियन पंप मॉडल और आगे रूजवेल्ट द्वारा न्यूडील के माध्यम से लोग/विश्व इस महामंदी से कुछ हद तक दूर हो सके। परंतु इसने आगे द्वितीय विश्वयुद्ध का मार्ग भी प्रशस्त किया

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

drishti | दृष्टि The Vision

6. भारतीय विरासत और संस्कृति में गुप्त काल के योगदान पर प्रकाश डालिये। (150 शब्द) 10

Highlight the contribution of Gupta Period to Indian heritage and culture. (150 words) 10

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

गुप्तकाल मे भारतीय इतिहास मे स्वर्णयुग की संज्ञा दी जाती है, क्योंकि यह भारतीय विरासत एवं संस्कृति के संबंध मे क्लासिकल मानदंडो को स्थापित करता है।

गुप्तकाल की उपयोगी मानदंड विरासतें

① मंदिर निर्माण कला का आरंभ

↳ प्रारंभिक मंदिर गुप्तकाल से ही देखने मिलते है, जो नागर शैली के प्राथमिक स्वरूप की तरह होते है, उदा- → देवगढ का दशावतार मंदिर

② भक्ति की संकल्पना

↳ पुराणो का लेखन गुप्तकाल तक आते आते ही पूरा हुआ, और भक्ति एवं अवतारवाद और मूर्तिपूजा जैसी हिन्दू मानदंडो को बढावा मिला।

③ स्थापत्य कला और अन्य कलाओ की विरासत

↳ सारनाथ का धामेख स्तूप

↳ अंजता /एलोरा के विशिष्ट चित्र (गुफा वास्तुकला)

↳ बिहार मे बौद्ध की कांस्य प्रतिमा

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

(घ) साहित्य की दृष्टि से →

- कालिदास जैसे उत्कृष्ट कलाकार < मेघदूत → रघुवंश, अभिज्ञानशाकुंतलम --
- शूद्रक की मृच्छकटिकम (मिट्टी की गाड़ी), जो समाज की सामाजिक (गैर दरबारी) झलक प्रस्तुत
- अमरसिंह की अमरकोष (संस्कृत शब्दकोष)
- संस्कृत भाषा का स्वर्णिम काल

(ङ) विज्ञान के परिपेक्ष्य में

- आर्यभट्ट द्वारा गणित, विज्ञान के संदर्भ (आर्यभटीय)
- वराहमिहिर और ब्रह्मगुप्त जैसे खगोलशास्त्री
- चरक एवं सुश्रुत जैसे विशिष्ट चिकित्सक
- नालंदा जैसा विश्वविद्यालय ---

उपरोक्त सभी दृष्टिकोण गुप्तकालीन भारत की महत्ता को प्रदर्शित करते हैं, और गुप्तो द्वारा भारत को दी गई विरासत की जानकारी देते हैं

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

7. औपनिवेशिक भारत में राष्ट्रवादी भावना को प्रोत्साहित करने में राजा रवि वर्मा की चित्रकला के प्रभाव का परीक्षण कीजिये। (150 शब्द) 10

Examine the impact of Raja Ravi Varma's paintings on fostering nationalist sentiment during colonial India. (150 words) 10

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

राजा रविवर्मा औपनिवेशिक भारत मे चित्रकला को राष्ट्रीय एवं अंतराष्ट्रीय स्तर तक ले जाते है, एवं कला के माध्यम से, राष्ट्रवाद की उत्पत्ति मे योगदान देते है इनकी कर्मभूमि दक्षिण भारत मे केरल रही।

औपनिवेशिक भारत मे राष्ट्रवादी प्रोत्साहन मे योगदान

→ भारतीयो को प्रतिभा प्रदर्शन के माध्यम से यह एहसास दिलाया, कि वे किसी से कम नही है, क्योकि औपनिवेशिक चित्रकार उस समय (oil painting) मे निपुण थे, जबकि भारत मे इसका परिचलन नही था, ऐसे मे राजा रविवर्मा द्वारा तैलीय चित्रो मे औपनिवेशिक चित्रकारो को चुनौती दी

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

↳ चित्रो के माध्यम से भावो की अभिव्यक्ति
उदा० के लिए - अपने चित्रकला के विषयो मे वे भारतीय स्वतंत्रता के संदर्भ मे (भारतमाता), आगे स्वतंत्रता को जंजीरो से तोड़ते हुए दिखना, लोगो मे ओज/तेजस्विता का प्रचार करना जैसे प्रयास चित्रो के माध्यम से किए जा रहे थे।

↳ समाज के स्वरूप को सामने लाना
उदा० के लिए - किसानो की स्थिति को प्रदर्शित करना, बेगार/मजदूर की स्थिति को समाज के सामने लाना, उपनिवेशवादियो द्वारा किए गए कार्यों का चित्रो के माध्यम से प्रतिक्रिया देने का प्रयास करना।

उपरोक्त संदर्भ मे कहा जा सकता है, कि जो कार्य बंगाल मे अवीन्द्रनाथ टैगोर ने किया, उसे रविवर्मा ने केरल मे पूरा किया था

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti | दृष्टि The Vision

9. चोल वास्तुशिल्प मंदिर स्थापत्य कला की प्रगति में एक शिखर का प्रतीक है। टिप्पणी कीजिये। (150 शब्द) 10

The Chola architecture signifies a pinnacle in the progression of temple architecture. Comment. (150 words) 10

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

चोलकालीन वास्तुकला के संदर्भ मे फर्ग्युसन का कथन है कि 'इन्होंने राक्षसो की तरह सोचा, और जौहरियो की तरह इसे तराशा', यह कथन चोलकालीन वास्तुकला की दृढ़ता और सौम्यता को प्रकट करता है।

चोलकालीन स्थापत्य/वास्तुशिल्प की विशेषताएँ

- मंदिर निर्माण की द्रविण शैली का चरमोत्कर्ष जो कि पल्लवो के समय शुरू हुई थी
- बड़े बड़े गोपुरम, मंदिर को चारो ओर दीवारो से बंद किया जाता था, और एक बड़ा प्रांगण
- प्रांगण मे तालाब एव नंदी की प्रतिमा विशेषता थी
- इसके शिखर को सैरिख न बनाकर, तल्लेदार या विमान के रूप मे बनाया जाता है

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti | दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

→ विमानो की ऊंचाई बहुत अधिक होती है (100 मी.... से भी) और इन के अलमारो पर, चित्रण व कलाकृतियाँ उकेरी जाती है।

→ मंदिर प्रांगण में राजा/रानी की मूर्तियाँ भी बनाई जाती थी, और बेहतर चित्रकारी की जाती थी।

उदा. → तंजौर का वृहदेश्वर मंदिर और ऐरावतेश्वर मंदिर एवं गंगईकोंडचोलपुरम मंदिर

स्थापत्य कला की अन्य विशेषताएँ

→ मंदिर के माध्यम से (temple economy बनाना)
→ राजनीतिक और प्रशासनिक केंद्र के रूप में मंदिर के पास बड़ी भूमि होना
→ स्थापत्य के माध्यम से राजा द्वारा अपने वर्चस्व को जनता तक पहुंचाने का प्रयास होता था।

अतः स्थापत्य केवल वास्तुकला तक सीमित न होकर एक बेहद प्रगतिशील नगर एवं राजनीतिक / आर्थिक स्मारक के रूप में होता।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

10. 19वीं सदी के अंत में जापान के बढ़ते साम्राज्यवाद के कारणों और परिणामों का परीक्षण कीजिये। (150 शब्द) 10

Examine the reasons and consequences of Japan's increasing imperialism towards the conclusion of the 19th century. (150 words) 10

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

जापान एक एशियाई देश होने के बाद भी, 19वी सदी के अंत तक औद्योगीकरण के रास्ते साम्राज्यवादी गतिविधियो की ओर बढा।

साम्राज्यवाद के कारण

① औद्योगिक क्रांति के मद्देनजर कच्चे माल की प्राप्ति हेतु (चूंकि संसाधनो की कमी थी, वही चीन जैसे क्षेत्र संसाधन संपन्न)

② अपनी बढती अर्थव्यवस्था हेतु उपनिवेशवादी व्यापार के अनुकूल बाजार की चाह।

③ मेजी पुनर्स्थापना के बाद, जापान की आंतरिक समस्यायें दूर हुई, और जापान के विकास मे तेजी आई।

④ औपनिवेशिक ताकतो का – यथा US, ब्रिटेन आदि (पैरी) का जापान पर दबाव, ऐसे मे सैन्य ताकत के रूप मे जापान का विकास हुआ

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

जापानी साम्राज्यवाद का परिणाम

① शक्ति संतुलन मे बदलाव
↳ एशियाई शक्ति द्वारा पश्चिमी देशो को हराया जाने लगा (उदा० → रूस - जापान युद्ध)

② एशिया मे साम्राज्यवाद की बढोत्ती
↳ जापान द्वारा चीन एवं मंचूरिया पर आक्रमण किया जाना।
↳ भारत के अंडमान निकोबार और मलक्का प्रायद्वीप तक जापानी साम्राज्यवाद की पहुँच

③ द्वितीय विश्व युद्ध का एक कारण
↳ बढते जापान के प्रभाव ने, अमेरिका के पर्लहार्बर पर हमला, और अमेरिका की विश्व युद्ध मे एंट्री (अंत मे → परमाणु हमला)

④ बढते राष्ट्रवाद के भीषण परिणाम
↳ जापान मे राष्ट्रवाद ने साम्राज्यवाद को गति दी और इसके परिणाम गंभीर साबित हुए

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

11. फ्राँसीसी क्रांति की शुरुआत में योगदान देने वाले कारकों का परीक्षण कीजिये और इसके ऐतिहासिक महत्त्व का विस्तारपूर्वक वर्णन कीजिये। (250 शब्द) 15

Examine the factors that contributed to the onset of the French Revolution and elaborate on its historical significance. (250 words) 15

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

फ्रांसीसी क्रांति की शुरुआत स्स्टेट जनरल की मीटिंग से मानी जाती है, परंतु 1789 की बास्तील परेड तक की घटना तक पहुंचने के पीछे कई कारक उत्तरदायी रहें।

① राजशाही की भूमिका →

निरंकुश राजतंत्र और बढ़ती अव्यवस्था से लोग त्रस्त हो चुके थे। यहाँ लुई ग्यारहवें का कथन कि 'मैं ही राज्य हूं' बताता है कि अब राज्य एवं सरकार/राजा को पर्याय माना जाने लगा, और राजा के वचन को कानून का दर्जा दिया जाने लगा, इससे लोगो मे राजतंत्र के खिलाफ आवाज उठी।

② फ्रांस का प्रशासनिक तंत्र → फ्रांस का प्रशासनिक तंत्र भ्रष्ट और जटिल हो चुका था,

उदा. के लिए –

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

मांटेस्क्यू कहता है - कि फ्रांस मे कानून कुछ उस तरह ही बदल जाते है जिस तरह सफर करते हुए, बग्गी के घोड़े बदले जाते है

(3) सामाजिक व्यवस्था →

तीन वर्गों मे फ्रांस बटॉ हुआ था - पादरी, कुलीन, अन्य। ऐसे मे प्रथम दो वर्ग विशेषाधिकार युक्त थे, और तीसरा वर्ग इनकी सेवकर्ता / करदाता था, ऐसे मे आपसी सामाजिक बंधन टूटे, और क्रांति का जन्म हुआ।

(4) मध्यम वर्ग का उदय →

फ्रांसीसी मध्यम वर्ग (तृतीय स्टेट) मे चिकित्सक, वकील, कृषक, व्यापारी आदि आते थे, इन्होने निम्न पादरियो, और निम्न सामंतो से गठजोड कर क्रांति को हवा दी।

(5) अन्य परिस्थितियां →
1. अकाल / भुखमरी की स्थिति
2. ब्रिटेन से मिलने वाली हार
3. अमेरिकी उपनिवेश मे स्वतंत्रता

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

इन सभी कारणों से एक क्रांति की रूपरेखा तैयार हुई, और क्रांति को अंजाम दिया गया।

ऐतिहासिक महत्व

→ स्वतंत्रता, समानता, बंधुत्व का पाठ दुनिया ने सीखा
→ स्वतंत्रता के साथ समानता को तरजीह (नेपोलियन का कथन कि क्रांति समानता के लिए)
→ यूरोप एवं अन्य विश्व में राजशाही की निरंकुशता के खिलाफ आवाज उठाई गई
→ संवैधानिक अधिकारों की ओर कदम उठाए गए।
→ आगे न केवल फ्रांस बल्कि पूरे यूरोप में 1830 एवं 1848 की क्रांतियों में फ्रांस की क्रांति व स्वतंत्रता के तत्व देखे गए

भारतीय संविधान एवं स्वतंत्रता आंदोलन में हमें फ्रांस की क्रांति के तत्व देखने मिल जाते हैं

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti | दृष्टि The Vision

12. हिंदुस्तानी और कर्नाटक संगीत परंपराओं में क्या भिन्नताएँ हैं और ये भिन्नताएँ किस प्रकार दोनों की प्रदर्शन शैलियों को प्रभावित करती हैं? (250 शब्द) 15

What are the key characteristics that differentiate Hindustani and Carnatic music traditions, and how do they influence the performance styles in each? (250 words) 15

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

हिंदुस्तानी शास्त्रीय संगीत एवं कर्नाटक संगीत परंपराओं के संबंध में भारत में एक विस्तृत विकास देखा गया। जो न केवल संगीत से जुडा था, बल्कि भारत की सामाजिक सांस्कृतिक प्रतिरूप को भी प्रदर्शित करता रहता है

हिंदुस्तानी	कर्नाटक
→ भारतीयता के साथ साथ पश्चिमी/फारसी संस्कृति का संयोग इसमे देखने मिलता है।	→ ये स्वदेशी क्षेत्रीय परंपरा से विकसित मानी जाती है
→ इसकी शुरुआत प्राचीन है, और इसका इतिहास ईसा के पहले से चला रहा है	→ ये संगामकाल के कर्प भक्ति के संबंध से अधिक विकसित हुआ

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti | दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

हिंदुस्तानी	कर्नाटक
→ इसमे आचार्यों की भूमिका कम महत्वपूर्ण है	→ इसमे आचार्यों की महत्वपूर्ण भूमिका होती है
→ इसमे राग ताल लय का समागम होता है, परंतु संगीत की प्रस्तुति इनके बिना भी की जा सकती है (अर्थात गैर शास्त्रीय रूप)	→ इसमे राग, ताल, लय, छुट का विशेष महत्व है, इनके बिना प्रस्तुति नही की जा सकती है
→ हिंदुस्तानी संगीत की नियमावली अपेक्षाकृत सरल, और वाद्ययंत्रो का उपयोग हो भी सकता है और नही भी	→ यहाँ नियमावली कठोर और वाद्ययंत्रों का प्रयोग अवश्य किया जाता है
→ इसमे नृत्यकला को संगठित कर, कीर्तन और अन्य लोककला को बढ़ावा मिलता है	→ कर्नाटक संगीत, ज्यादा बढ़कर मंदिरो से जुड़ जाता है, जो देवदासी प्रथा को भी बढ़ावा देता है

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

विशेषताएँ

↳ दोनो की अपनी अपनी विशेषताएँ है, ऐसे मे दोनो ही संगीत के क्षेत्र मे अपनी सांस्कृतिक विरासत बनाए हुए है

↳ समन्वयतात्मक भूमिका के रूप मे विभिन्न रंगमंचो के प्रदर्शन मे इन्हे साथसाथ प्रस्तुत किया जाता है

संगीत भारत की कलात्मक प्रतिरूप की सुंदर एवं मनोरम अभिव्यक्ति है, संगीत नाट्य अकादमी एवं ललित अकादमी इसे संरक्षण का प्रयास भी कर रहे है

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

13. द्वितीय विश्व युद्ध की समाप्ति ने विश्व की वैश्विक राजनीतिक व्यवस्था को किस प्रकार प्रभावित किया? (250 शब्द) 15

How did the end of World War II impact the global political order of the world? (250 words) 15

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

द्वितीय विश्व युद्ध से हुए भीषण नरसंहार और ध्वस्त हुई अर्थव्यवस्थाओं के बाद नए शांतिव्यवस्था की ओर कदम रखने का प्रयास हुआ।

वैश्विक राजनीतिक व्यवस्था मे कई बदलाव देखे गए,

① अमेरिका का बढ़ता नेतृत्व
- NATO की भूमिका
- पूंजीवाद की बढ़ोतरी
- पश्चिमी देशो के आंतरिक मामलो मे हस्तक्षेप

② सोवियत संघ का उभार
- WARSA पैक्ट
- समाजवाद की बढ़ोतरी
- पूर्वी यूरोप के देशों मे

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

③ तीसरी दुनिया के देश

↳ उपनिवेश समाप्ति और गुटनिरपेक्षता का पालन करने वाले भारत एवं अन्य देश

④ UN का निर्माण

↳ संयुक्त राष्ट्र संघ का निर्माण जो कि विश्वशांति की स्थापना की गई

⑤. संयुक्त राज्य अमेरिका VS सोवियत संघ का शीत युद्ध दौर

⑥. ब्रिटेन और फ्रांस का वैश्विक भूराजनीति से अलगाव

⑦ चीन और भारत जैसे एशियाई राष्ट्रों का उदभव

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

राजनीति में अन्य बदलाव

→ दो ध्रुवीय व्यवस्था ने अपने गुटबाजी को बढ़ावा दिया

→ IMF, WB जैसे वैश्विक संस्थानों की विश्व व्यवस्था में आगमन।

→ अफ्रीकी और एशियाई देशों में उपनिवेशवाद एवं साम्राज्यवाद की समाप्ति।

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

14. भारतीय उपमहाद्वीप के साहित्यिक और आध्यात्मिक परिदृश्य को आकार देने में रूमी, बुल्ले शाह और कबीर जैसे प्रमुख सूफी कवियों की भूमिका का मूल्यांकन कीजिये। (250 शब्द) 15

Evaluate the role of prominent Sufi poets like Rumi, Bulleh Shah, and Kabir in shaping the literary and spiritual landscape of the subcontinent. (250 words) 15

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

भारतीय उपमहाद्वीप में साहित्यिक और आध्यात्मिक परिदृश्य में सूफी संतो की प्रमुख भूमिका रही, इन्होंने भारत की समन्वित संस्कृति को गति प्रदान की।

रूमी और बुल्लेशाह → जलालउद्दीन रूमी और बुल्लेशाह सूफी परंपरा से जुड़े थे, उन्होने समाज के दृष्टिकोण को मानववादी बनाया।

रूमी ने इस्लाम में रहस्यवाद को प्राथमिकता दी, और बताया कि कैसे अल्लाह और उसके बंदे का संपर्क। (अतः समानता व जुड़ाव की बात)

→ वहीं बुल्लेशाह द्वारा क्षेत्रीय पंजाबी साहित्य को भी बढ़ाया गया,

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti | दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

उन्होंने कहा →

'चाहे मंदिर गिरा दो, मस्जिद गिरा दो,
पर दिल को मत तोड़ो, वह खुदा का
पनाहगार है।

ऐसे में सूफी परंपरा का समन्वयन करने
का प्रयास और धर्म परंपरा से हटकर
मानववादियों की तर्ज पर, मनुष्य के
कल्याण की बात।

कबीर की भूमिका

→ मध्यकालीन भारत के सुधारक कहे जाते हैं
इनके द्वारा निर्गुण भक्ति और सूफी पंथ
में नजदीकियाँ लाने का प्रयास किया,
और रहस्यवाद के माध्यम से
मानवीय एकता की बात की।

→ जात पात को नकारा → जात पात पूछे नहीं
कोई —
→ हिंदू मुस्लिम एकता के अग्रदूत

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti | दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

→ अपने काव्यो मे (बीजक) सधुक्कडी जैसी क्षेत्रीय भाषा साहित्य को बढावा दिया।

→ निम्न जातियो को आर्थिक कार्यो मे लगे रहने और जीवनयापन के लिए धन अर्जन की सफलता की.
उदा० → स्वयं जुलाहे के रूप मे

→ कबीर द्वारा एकेश्वरवाद, मूर्तिपूजा खंडन, महिलाओ का सम्मान, जैसे मान्यो के द्वारा राष्ट्रीय समरसता को सुदृढ़ करना

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

15. प्रारंभिक वैदिक काल से उत्तर वैदिक काल तक महिलाओं की भूमिका और स्थिति कैसे विकसित हुई? (250 शब्द) 15

How did the role and status of women evolve from the early Vedic period to the later Vedic period? (250 words) 15

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

वैदिककालीन समाज जटिल एवं परिवर्तनशील रहा, पूर्ववैदिककाल से उत्तरवैदिक काल मे आते समय, महिलाओ की भूमिका और स्थिति मे बदलाव देखने मिला।

① राजनीतिक भूमिका →

आरंभिक वैदिक काल मे सभा /समितियो मे महिलाओ की हिस्सेदारी होती थी, वे निर्णय निर्माण मे भूमिका निभाती थी. ऐसे मे उनकी स्थिति उच्च, परंतु जब उत्तर वैदिक काल का समय आया, तब उन्हे सभा /समितियो से वंचित कर दिया गया, और उनकी भूमिका सीमित कर दी गई।

② सामाजिक भूमिका →

उत्तरवैदिक काल तक आते आते महिलाओ के जन्म को हेय दृष्टि से देखा जाने लगा

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

ऋग्वेद में भी वीरपुत्रों की कामना की जाती थी, परंतु पुत्रियों को भी बेहद सम्मान था, परंतु ब्राह्मण ग्रंथों में स्त्रियों को जुआ, शराब की तरह तीसरा दुर्गुण बताया।

③ आर्थिक भूमिका

पशुपालन (आरंभिक वैदिक) में उनकी भूमिका अधिक थी, परंतु उत्तरवैदिककाल में कृषि में उनकी सीमित भूमिका देखी गई, हालांकि निम्न वर्ग की महिलाएं खेती के कार्य में लगी हुई थी

④ धार्मिक भूमिका

↳ आरंभिक वैदिक काल में अपाला, घोषा, लोपामुद्रा जैसी विदुषियां थी, जिन्होंने ऋग्वेद के श्लोक लिखे थे, ऐसे में स्थिति मजबूत।
हालांकि उत्तरवैदिक में स्थिति कमजोर हुई परंतु गार्गी, मैत्रेयी जैसी विदुषियों के नाम भी मिलते हैं

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

अतः हम देख पाते है महिलाओ की स्थिति कमतर होती जा रही थी, और जब उत्तरवैदिक काल मे वर्णव्यवस्था जटिल हुई, और गोत्र (गोत्र) जैसी अवधारणा उभरी, इनसे महिलाओ का स्वतंत्र अस्तित्व समाप्त हुआ. और उन्हे अध्यायिनी घोषित किया गया।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation
उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

16. सोवियत संघ के पतन के कारणों पर प्रकाश डालिये। साथ ही, चर्चा कीजिये कि इसने क्षेत्र के राजनीतिक परिदृश्य को कैसे परिवर्तित किया। (250 शब्द) 15

Highlight the factors leading to the collapse of the Soviet Union. Also, discuss how it changed the political landscape of the region. (250 words) 15

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

शीतयुद्ध की समाप्ति के रूप मे, और पूंजीवाद की समाजवाद पर विजयस्वरूप सोवियत संघ का पतन हुआ।

सोवियत संघ के पतन के पीछे कई कारण रहे जिनमे →

① गोर्बाचेव की नीतियाँ →

→ मिखाइल गोर्बाचेव द्वारा राजनीतिक आर्थिक सुधारो का प्रयास, जिनके कारण सोवियत पार्टी के ही सदस्य उनसे नाराज हुए।

→ गोर्बाचेव की नीतियाँ आर्थिक सुधार के लिए लाई गई थी, परंतु इनके द्वारा बेहतर व्यवस्था के बजाय एक कमजोर सोवियत संघ का निर्माण हुआ।

→ सोवियत पार्टी के लोगो को जेल भेजने पर पार्टी के भीतर कलह आदि ---

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

③ समाजवाद के प्रभाव

↳ सोवियत संघ मे समाजवाद के नाम पर एक अधिनायकवादी सत्ता का संचलन, ऐसे मे लोगो मे स्वतंत्रता की भावना का जन्म हुआ। और लोगो ने आक्रोश व्यक्त किया।

④ पूंजीवाद का बढता स्वरूप

↳ महामंदी के बाद पूंजीवादी देशो ने अर्थव्यवस्था मे सुधार (उदा→ न्यूडील) वही सोवियत संघ अपने पुराने ढरे पर अड़ा रहा, ऐसे मे अर्थव्यवस्था ध्वस्त हुई।

⑤ महाद्वीपीय आकार

↳ सोवियत संघ का वृहद आकार, उसके विघटन मे योगदान, क्योंकि इतने बडे क्षेत्र मे विविधता बहुत अधिक, ऐसे मे अगर विविधता को दबाने की कोशिश की जाती, तब विद्रोह होना लाजमी था।

⑥ शीतयुद्ध का भार

↳ अमेरिका से शीतयुद्ध, और हथियार खरीद से सोवियत अर्थव्यवस्था पर विपरीत प्रभाव पड रहा था

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti | दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

राजनीतिक परिदृश्य में क्या बदलाव आए

↳ अमेरिका के नेतृत्व में पूंजीवादी शक्तियों की विजय और एक ध्रुवीय विश्वव्यवस्था

↳ नए स्वतंत्र राष्ट्रों का उदय (15 देश) और मानचित्र में बदलाव (मध्य एशिया)

↳ बर्लिन की दीवार का गिरना और जर्मनी एकीकरण

↳ भारत जैसे देशों का झुकाव पश्चिमी देशों की तरफ हुआ।

↳ शीतयुद्ध समाप्त हुआ और नाटो जारी रहा

↳ चीन जैसी क्षेत्रीय शक्तियों का उदय

हालांकि 21 वी सदी बहुध्रुवीय विश्वव्यवस्था की ओर ले जाती है, जहाँ भारत जैसे विकासशील देशों की भूमिका बढ़ रही है

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti | दृष्टि The Vision

17. सिंधु घाटी सभ्यता की विशेषताओं पर प्रकाश डालिये। वर्तमान संदर्भ के साथ इसकी स्पष्ट समानताओं को इंगित कीजिये। (250 शब्द) 15

Highlight the distinctive features of the Indus Valley Civilization. Point out the similarities in the present context. (250 words) 15

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

भारतीय उपमहाद्वीप की पहली नगरीय सभ्यता के रूप में हड़प्पा सभ्यता का उद्भव २600 ई.पू. के समय मानते हैं, और इसकी नगरीय चरण की विलक्षणता हमें 1900 ई.पू. तक देखने मिलती है।

सिंधु सभ्यता की विशेषताएँ

1. नगरीय सभ्यता जो कि सुनियोजित नगरीय पैटर्न पर आधारित थी, जहाँ पक्की सड़के जो समकोण पर काटती थी, पक्के मकान जिनमे आमजन निवास करते थे।

2. एक वृहद आंतरिक एवं बाह्य व्यापार की उपस्थिति, मेसोपोटामिया अभिलेखों में (मेलुहा) के रूप में चर्चा

3. शासक वर्ग और शासित वर्ग के बीच समन्वय (गढ़ क्षेत्र, दुर्ग क्षेत्र, सामान्य क्षेत्र)

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

④ शिल्प व्यापार केंद्र, जहाँ कि कलाकृतियाँ फारस की खाड़ी तक प्रचलित थी

⑤. धार्मिक एवं सांस्कृतिक महत्व से संबंधित सनातन धर्म की शुरुआत।

वर्तमान संदर्भ में स्पष्ट समानताएं एवं सीख

↳ नगरीकरण में स्वच्छता का ध्यान रखना, नालियों को ढँककर रखा जाना और उचित निकास प्रणाली।

↳ हड़प्पाई सड़कों के पैटर्न, और भवन निर्माण के लिए ईंटें, आज की इंग्लिश बांड स्टाइल से समानता रखती है

↳ धार्मिक प्रतिरूप में → मातृदेवी पूजा, हल का साक्ष्य (कृषि पूजा), पीपल के पत्ते का महत्व, आज भी देखने मिलते है

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

↳ सांस्कृतिक प्रतिज्ञो मे, आज भी हड़प्पाई मानक बॉटमॉप और हड़प्पाई पशु मलाहिया, पशुपति देवता (शिव) को हम आज देख पाते है

↳ कांसे की नर्तकी की प्रतिमा (डांसिंग गर्ल) हमे आज के नृतक समुदाय से उसकी समानता करवाती है

↳ हड़प्पाई व्यापार केंद्र जो विश्व के वृहद क्षेत्रो तक फैले हुए थे, और अंतर्राष्ट्रीय व्यापार का केंद्र बने हुए थे, भारत भी आज लगातार अपने प्रयासो से विश्व की भूराजनीतिक और भूआर्थिक व्यवस्था का केंद्र बना हुआ है

उपरोक्त संदर्भ मे हम हड़प्पा सभ्यता की विशेषताओ को समझ पाते है, जहाँ हड़प्पा ने (मिस्र व ~~मोहनजोदड़ो~~ मेसोपोटामिया) के विपरीत, आमजन के उपयोग की संरचनाएँ निर्मित की।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

18. विश्वभर में उपनिवेशवाद विरोधी आंदोलनों और राष्ट्रीय मुक्ति संघर्षों पर रूसी क्रांति के प्रभाव की विवेचना कीजिये। (250 शब्द) 15

Analyze the influence of the Russian Revolution on anti-colonial movements and national liberation struggles across the globe. (250 words) 15

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिख[illegible] चाहिये।
(Candidate must no[illegible] write on this margi[illegible]

उपनिवेशवाद से तात्पर्य, अपने आर्थिक लाभो के अनुरुप नये क्षेत्रो का अधिग्रहण एवं उनसे व्यापार के माध्यम से लाभ प्राप्त करना, परंतु २० वी सदी की शुरुआत मे रूसी क्रांति के प्रभाव ने उपनिवेशवाद विरोधी आंदोलन को गति दी।

उपनिवेशवादी विरोध आंदोलन एवं राष्ट्रीय मुक्ति संघर्ष

① रूस की क्रांति को सर्वहारा की क्रांति मानी जाती है, ऐसे मे उपनिवेशो मे इस भावना का प्रसार हुआ कि संगठित होकर औपनिवेशिक शक्तियो से लड़ा जा सकता है।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

② भारत जैसे देशो मे साम्यवादी दलो की स्थापना हुई, और इन दलो के द्वारा अंग्रेजी शासन से भारत की स्वतंत्रता की बात उठाई।

③ रूस की क्रांति ने स्वतंत्रता के साथ साथ आमजन की समानता का मुद्दा भी उठाया था, जिसका प्रभाव उपनिवेशवादी राष्ट्रो को भेदभावपूर्ण कार्यो के खिलाफ आवाज उठाने मे देखा गया।

④ चूंकि साम्यवाद का प्रसार बढ रहा था, ऐसे मे पश्चिमी देश स्वयं प्रभावित / भयभीत थे, अमेरिका द्वारा ब्रिटेन / फ्रांस पर उपनिवेशो की स्वतंत्रता का मुद्दा उठाया जा रहा था

⑤ रूस की क्रांति मे महिलाओ की भूमिका (8 मार्च आंदोलन) देखी गई थी, ऐसे मे उपनिवेशो मे महिलाओ ने भी भूमिका निभाई थी

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

(6) अफ्रीकी देशों मे विभाजन की प्रक्रिया में लगाम लगाई गई, क्योंकि अब वहाँ भी साम्यवाद और पूंजीवाद की लड़ाई पहुंचने जा रही थी।

इस तरह रूसी क्रांति ने उपनिवेशवाद विरोधी संघर्ष को गति दी और राष्ट्रीय संघों में एकता के माध्यम से मुक्ति संघर्ष को बढ़ावा दिया

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

19. मुगलकालीन चित्रकला ने किस प्रकार भारतीय कला की समृद्ध चित्रयवनिका (टेपेस्ट्री) में योगदान दिया? इसकी विशिष्टताएँ क्या थीं? विस्तारपूर्वक वर्णन कीजिये। (250 शब्द) 15

How did the Mughal school of painting contribute to the rich tapestry of Indian art? What were its distinctive features? Elaborate. (250 words) 15

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

भारतीय चित्रकला की शुरुआत गुफा पेंटिंग्स (भीमबेटका) से शुरू होते हुए, एक लंबी यात्रा से मुगल चित्रकला तक पहुंची, जहाँ भारतीय कला की समृद्ध चित्रयवनिका के रूप में स्वर्णयुग की तरह क्लासिकल मानदंड स्थापित हुए।

मुगलकालीन चित्रकला की विशेषताएँ

① धर्मनिरपेक्ष चित्रकला → धार्मिक और आध्यात्मिकता के विपरीत यथार्थवादी चित्रण और सामाजिक सांस्कृतिक प्रतिरूपों को महत्वपूर्ण माना।

② दरबारी कला → दरबार में शासक केंद्रित चित्र देखने मिले, जहां शिकार करते हुए (जहांगीर) सिंहासन पर बैठे हुए और आभामंडल युक्त चित्र (शाहजहां) देखे गए।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti | दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

③ चित्रकला मे सांस्कृतिक समन्वयता →
रज्मनामा और अन्य हिंदू ग्रंथो की चित्रावलियो
की शुरुआत अकबर के समय हुई,
इसके साथ-2 हमजानामा के माध्यम से
इस्लाम की बेहतर समन्वयता।

④ विदेशी शासको से समन्वय →
↳ ईरान के शासक शाहअब्बास और जहांगीर
को गले मे हाथ डाले दिखाया गया है,
जबकि उनके मिलने का कोई प्रमाण नही

⑤ प्राकृतिक पर्यावरण का अंकन →
पेड पौधे, जीवजन्तु, आदि का चित्रण
और उनका शासको के साथ समन्वय (बाज का चित्र)

⑥ विदेशी प्रभाव →
↳ चित्रो मे यीशु मरियम का चित्र,
देवदूत, बादलो, क्रिश्चियन प्रतीक चिन्ह
इसके गवाह है

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

→ मुगलकालीन चित्रकला ने भारतीय कला को और अधिक समृद्ध किया, क्योंकि उनके द्वारा → ① भारतीय तत्वों को चित्रकला में समाहित किया। ② भारतीय चित्रकारों और हिंदुओं को कारीगरी में लगाया।
③ क्षेत्रीय तत्वों में भी मुगल चित्रकला का प्रभाव (यथा → राजपूत शैली)

उपरोक्त संदर्भ में मुगल चित्रकला की महत्वता को भारतीय संदर्भ में समझा जा सकता है

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

20. शीत युद्ध संघर्ष को आकार देने में संयुक्त राज्य अमेरिका और सोवियत संघ के बीच वैचारिक मतभेदों की भूमिका का मूल्यांकन कीजिये। (250 शब्द) 15

Evaluate the role of ideological differences between the United States and the Soviet Union in shaping the Cold War conflict. (250 words) 15

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

शीतयुद्ध की शुरूआत द्वितीय विश्व युद्ध की समाप्ति के साथ मानी जाती है, जहाँ दो महाशक्तियों अमेरिका और सोवियत संघ के बीच गैर सैन्य (शीत युद्ध) वैचारिक संघर्ष शुरू हुआ।

शीत युद्ध की पृष्ठभूमि मे ~~भूमिका~~ भूमिका

- अमेरिका का परमाणुसंपन्न राष्ट्र बनना, और पश्चिमी यूरोप राज्यो मे अधिक हस्तक्षेप। ऐसे मे सोवियत संघ द्वारा भी जवाबी सैन्य प्रारूप मे परमाणु हथियारो की निर्माण, एवं यूरोप मे अपना वर्चस्व स्थापित करने का प्रयास।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

शीत युद्ध संघर्ष मे वृद्धि

① नए नए स्वतंत्र राष्ट्रो को (औपनिवेशिकता से) अपने गुट मे शामिल करना और अपनी शक्ति बढाना।

② अमेरिका का सैन्य गठबंधन – NATO और सोवियत रूस द्वारा → WAARSA पैक्ट

③ अमेरिका द्वारा पश्चिमी यूरोप के साथ साथ खाडी क्षेत्रो मे अपनी उपस्थिति, ऐसे मे रूस द्वारा अफगानिस्तान और मध्य एशिया मे अपना प्रभाव बनाया जाना

④ क्यूबा मिसाइल संकट → क्यूबा मे सोवियत संघ समर्थित सरकार द्वारा मिसाइल संकट को बढावा दिया गया, ऐसे मे संघर्ष अपने चरम पर पहुँचा।

⑤ पूंजीवाद vs समाजवाद की वैचारिक खाई और मतभेद

⑥ उत्तरकोरिया व दक्षिणकोरिया का मुद्दा ⑦ वियतनाम का संघर्ष

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

शीत युद्ध पर नियंत्रण के प्रयास

→ निरस्त्रीकरण का प्रयास किया गया कई सैन्य/गैरसैन्य संधियों के माध्यम से

→ शीतयुद्धकालीन समय में UN द्वारा सक्रिय भूमिका निभाने का प्रयास

→ शीतयुद्ध में भारत जैसे देशो द्वारा वैश्विक शांति और गुटनिरपेक्षता की बात उठाई गई

अंत मे सोवियत विघटन के बाद वैश्विक अर्थव्यवस्था और राजनीति मे बड़े परिवर्तन देखने मिले, और समाजवादी सोवियत संघ का विघटन देखने मिला। एवं नई बहुध्रुवीय व्यवस्था स्थापित हुई।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

Space for Rough Work

(रफ कार्य के लिये स्थान)

Copyright – Drishti The Vision Foundation

Space for Rough Work

(रफ कार्य के लिये स्थान)

Copyright – Drishti The Vision Foundation

Space for Rough Work

(रफ कार्य के लिये स्थान)

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

Space for Rough Work

(रफ कार्य के लिये स्थान)

Copyright – Drishti The Vision Foundation